लखनऊ एक्सप्रेस-वे की बाधाएं दूर,टेंडर जारी

कानपुर | प्रमुख संवाददाता

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की सारी बाधाएं दूर हो गई हैं। एनएचएआई ने टेंडर जारी कर दिया है। वेबसाइट पर अपलोड होते ही 24 घंटे में रिकॉर्डतोड़ 14 निर्माण एजेन्सियों ने सर्च किया है। 15 अक्तूबर को टेंडर खोला जाएगा। माना जा रहा है कि दो दर्जन निर्माण एजेन्सियां टेंडर भरेंगी।

एनएचएआई ने 45 दिन में निर्माण एजेंसी फाइनल करने की डेडलाइन जारी की है। इस दौरान तकनीकी और वित्तीय बिड खोलकर ठेका दे दिया जाएगा। इसके बाद एनएचएआई एमओयू करेगा। उसी के बाद 150 दिनों में निर्माण एजेंसी को काम शुरू करना होगा। एनएचएआई ने एक्सप्रेस-वे का निर्माण हाईब्रिड इम्युनिटी मॉडल में कराने का फैसला किया है। जिसमें केन्द्र सरकार चार भाग में एजेंसी को 40 फीसदी धन देगी। बाकी धनराशि 20 सालों में अदा की जाएगी। तब तक उसे एक्सप्रेस-वे का मेंटीनेंस देखना पड़ेगा।

कवायद शुरू

- मौजूदा लखनऊ-कानपुर हाईवे से तीन किमी दूर से समानांतर बनेगा
- 2500 करोड़ लगाने की क्षमता वाली कंपनियों को ही ठेका

15 अक्टूबर को खोला जाएगा टेंडर, इसके बाद तय होगी एजेंसी

05 माह में निर्माण एजेंसी को कार्य शुरू करना होगा

यह शर्त भी लगीः एनएचएआई ने उसी निर्माण एजेंसी को ठेका देने का फैसला किया है जिसे बैंकों से 2500 करोड़ का लोन मिल सकेगा। यूपी में यह पहला एक्सप्रेस-वे होगा जिसे लखनऊ की रिंग रोड से लिंक किया जाएगा।

उन्नाव के 31 और लखनऊ के 11 गांवों की जमीन अधिग्रहण की जाएगी। निर्माण में 4500 और अधिग्रहण में 900 करोड़ खर्च होंगे। एक्सप्रेस-वे मौजूदा एनएच-25 फोरलेन से 3.5 किलोमीटर दूर से समानांतर बनेगा।